दिल्ली । उत्तर प्रदेश । उत्तराखंड । चंडीगढ़ । पंजाब । हरियाणा । हिमाचल । जम्मू-कश्मीर

आज रूपायन....
मातृत्व की आस के महीने खास

बरेली

अमर उजाला

16/05/2012

होनहार पीढ़ी को वैज्ञानिक बनाने की पहल

एसआरएमएस में शुरू हुआ पांच दिवसीय 'इंस्पायर-इंटर्नशिप 2012' कैंप

सिटी रिपोर्टर

बरेली। साइंस की अच्छी खासी पढ़ाई करने के बाद भी ज्यादातर विद्यार्थी साइंटिस्ट नहीं बन पाते। जल्दी से जॉब हासिल करना और पैसा कमाना या कोई और बात। वजह कोई भी हो, मगर उसका नतीजा यही है कि विद्यार्थी शोध करने में बिलकुल रुचि नहीं ले रहे। इससे चिंतित केंद्र सरकार ने देशभर में 'इंस्पायर-इंटर्नशिप 2012' कैंप शुरू किए हैं। यह विचार जीबीटीयू के कुलपति प्रो. कृपाशंकर ने रखे। वह श्रीराममूर्ति स्मारक इंजीनियरिंग कॉलेज में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कैंप का मकसद इन विद्यार्थियों में शोध के प्रति रुचि जगाना है। कैंप में सीबीएसई, आईसीएसई और यूपी बोर्ड के टॉपर्स में से एक प्रतिशत को चुना गया है। यह हाईस्कूल पास और 12वीं कक्षा में पहुंचे विद्यार्थी हैं।

पांच दिवसीय कैंप का उद्घाटन करने के बाद जीबीटीयू के कुलपति प्रो. कृपाशंकर ने किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान के छोटे से सिद्धांत को विकसित करने में शोधकर्ताओं की पुश्तें लग जाती हैं और कभी-कभी तो सदियां गुजर जाती हैं, जाहिर है ऐसे में शोधकर्ता को इसका फायदा नहीं मिल पाता। मगर, भावी पीढ़ियां इसका लाभ उठाती हैं।

उन्होंने कहा कि अभी शुरू हुए इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का शुरुआत में भले कोई लाभ दिखाई न दे, लेकिन लंबे समय बाद इसका असर बड़े स्तर पर दिखाई देगा। उन्होंने कहा, इस पूरी प्रक्रिया में सवाल, 'क्यों? क्या? कैसे?' का दिमाग में होना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब भी दिए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और आईआईटी के सेवानिवृत्त प्रोफेसर एसके डोगरा ने विद्यार्थियों को रसायन विज्ञान की छोटी-छोटी कड़ियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने उच्च स्तरीय शोध के गुणों से विद्यार्थियों को रूबरू कराया। उन्होंने आईआईटी में हो रहे शोध के बारे में भी तमाम उदाहरण दिए। संस्थान के चेयरमैन देवमूर्ति ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन मिल सकेगा।

एसआरएमएस के कार्यकारी निदेशक आदित्यमूर्ति ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने मन में उठने वाले तमाम सवाल और अपनी जिज्ञासा इस कैंप में शांत करने का मौका मिलेगा। इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक डॉ. प्रभाकर गुप्ता ने कार्यक्रम की रूपरेखा पेश की। संस्था के महानिदेशक प्रो. एसपी गुप्ता ने विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों का आभार जताया।

जीबीटीयू के कुलपति प्रो. कृपाशंकर ने एसआरएमएस में इंस्पायर इंटर्नशिप 2012 कैंप का उद्घाटन किया।

- सीबीएसई-आईसीएसई के टॉपर्स का चयन किया
- शोध के प्रति रुझान पैदा करना कैंप का मकसद

क्या है इंस्पायर इंटर्नशिप 2012 कैंप

कैंप के कोऑर्डिनेटर सतीश अग्रवाल ने विस्तार से इस कार्यक्रम और उसके महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस कैंप के लिए एक प्रतिशत टॉपर्स विद्यार्थियों को चुनने के पीछे मकसद यही है कि उनमें शोध के प्रति रुझान बढ़ाया जा सके। मौजूदा समय में विद्यार्थी शोध के क्षेत्र में नहीं जा रहे हैं। इसे देखते हुए भारत सरकार के साइंस एंड टेक्नालॉजी ने 2008 में देशभर में 'इंस्पायर-इंटर्नशिप 2012' प्रोग्राम लांच किया है। इस कैंप में प्रतिदिन दो विशेषज्ञों के व्याख्यान, ओपन डिस्कशन और अन्य तमाम गतिविधियां होंगी, ताकि विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा एक्सपोजर मिल सके।

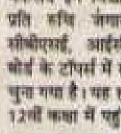

एसआरएमएस इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक डॉ. प्रभाकर गुप्ता ने कहा कि इंस्पायर इंटर्नशिप जैसे कैंप भावी पीढ़ियों को आगे बढ़ाने और शोध में उनकी रुचि बढ़ाने में मददगार साबित होंगे। हमने संस्थान में इस कैंप को कराकर इस क्षेत्र के विद्यार्थियों को खास मौका दिया है।

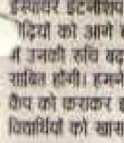

सेंट फ्रांसिस अस्मिता जोशी ने कहा कि यह एक नया अनुभव था और प्रो. कृपाशंकर को देखना और उनसे बातें करना काफी मजेदार और सीखने वाला रहा। हमें रिसर्च के बारे में काफी सीखने को मिली।

एसआरएमएस में शुरू हुए कैंप में तमाम विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

आईआईटी की तुलना ऑक्सफोर्ड से मत करो

आईआईटी कानपुर से रिटायर प्रो. एसके डोगरा ने कहा कि आईआईटी की तुलना ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से न करें तो अच्छा होगा। उनकी स्थापना 700 साल पहले हुई है और आईआईटी की स्थापना 1950 के बाद की गई है। हालांकि, सुधार हो रहे हैं और सरकार के शिक्षा में निवेश से उनके भविष्य में स्वर्णिम नतीजे आएंगे। प्रो. डोगरा मानते हैं कि संस्कृति में बदलाव परिदृश्य भी बदलेगा।

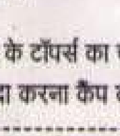

सेंट फ्रांसिस की अनुष्का चोपड़ा कहती है कि बचपन से ही साइंटिस्ट बनने का लक्ष्य लेकर चल रही हूं। अब इस कैंप में भाग लेकर मेरे लिए विषय समझने में काफी आसानी हुई।

गौरगंज के स्वामी दयानंद सरस्वती इंटर कॉलेज के छात्र

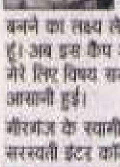

हरिओम गंगवार को प्रो. एसके डोगरा का लेक्चर प्रोजेक्टर के माध्यम से सुनना अच्छा रहा। पहली बार हमने प्रोजेक्टर के माध्यम से लेक्चर सुना।

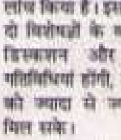

वुडरो स्कूल के सिद्धार्थ गुप्ता ने कहा कि ऐसे कैंप शोध के प्रति जागरूक करने का काम करते हैं। यह सच है कि विद्यार्थी शोध में ज्यादा रुचि नहीं ले रहे हैं। मगर ऐसे कार्यक्रम प्रेरणा का काम करेंगे।

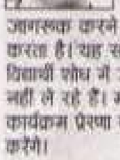

जीआरएम के अंकित बनर्जी ने कहा कि प्रो. कृपाशंकर को सुनने से विषय के बारे में कई बातें सीखने को मिलीं। अब पांच दिन तक हमें ऐसे कार्यक्रम में भाग लेने का मौका मिलेगा।